॥ श्री गणेशाय नमः ॥

धर्मसार

जन्म
गणगौर पूजा तुलसी पूजा व्रत नित्यस्तुती
व्रत पूजा यन्त्र मंत्र तंत्र स्नान भजन रत्न
आरती संग्रह भजन रत्न चौरासी कोस की ब्रज यात्रा तीर्थ कन्यादान जन्म
व्रत तीर्थ पाक माला दान
कन्यादान गणगौर पूजा तीर्थयात्रा भजन रत्न
यन्त्र मंत्र तंत्र जन्म व्रत दान दिव्य उपचार अंत्यकर्म विधि
गणगौर पूजा बारह महिनों के व्रत और त्यौहार यन्त्र मंत्र तंत्र
गणगौर पूजा

ग्रंथमाला - गीतमाला
भजन माला - पाक माला

भूमिका

विश्व भर में बढ़ता हुआ हिंसाचार एवं पापाचार इस बात का अचूक द्योतक है कि सम्पूर्ण मानव जाति की प्रवृत्ति में अवांछनीय परिवर्तन हो रहे हैं।

मानव की प्रवृत्ति उसके अपने संस्कारों से बनती बिगड़ती है। सांस्कृतिक मूल्यों का ह्रास स्वाभाविक रूप से मानव की प्रवृत्ति को हिंसा और पाप की विनाशकारक दिशा में ले जाता है। इस संदर्भ में यह बात सर्वमान्य है कि शान्ति और सद्भावना की स्थापना के लिये भारतीय संस्कृति ही विश्व की सर्वोत्तम संस्कृति है। यह तथ्य केवल भारतवासियों ने ही नहीं बल्कि विश्व भर के तत्वज्ञानियों ने महसूस किया है।

फिर भी खेद की बात है कि आज भारतवर्ष में भी लोग भारतीय संस्कृति को भूलकर अन्य संस्कृतियों की ओर प्रवृत्त हो रहे हैं। इसी अवांछनीय परिवर्तन को लक्ष्य बनाते हुए प्रज्ञादेवी सूर्यकान्ताजी ने भारतीय संस्कृति के इन ग्रंथों की रचना की है। आपका एकमात्र उददेश्य है-अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण रखने का गहन प्रयास, जिसको सांस्कृतिक सज्जनों ने सराहनीय महसूस किया है।

संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर जितनी गहन जानकारी इन ग्रंथों में है उसे पढ़कर अच्छे विद्वान पंडित भी नतमस्तक हो गये हैं तथा इन को संदर्भ ग्रंथों (Reference Books) के तौर पर इस्तेमाल करने लगे हैं।

तीर्थ :-
इस पुस्तक में भारतवर्ष के सभी तीर्थों का अति संक्षेप में विवरण है, आस्थावान तीर्थ यात्रियों के लिए यह महत्वपूर्ण मार्गदर्शिका है । इसकी प्रस्तावना मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र में विख्यात नवभारत समाचार पत्र के संस्थापक स्वर्गीय रामगोपालजी माहेश्वरी ने लिखी है । तीर्थों के नक्शों सहित ।

तीर्थयात्रा :-
इस पुस्तक में कुछ महत्वपूर्ण तीर्थों की यात्रा का विस्तृत वर्णन, माहात्म्यम तथा मार्गदर्शन है ।

दान :-
दान सभी करते हैं परंतु किन परिस्थितियों मे कौनसा दान किस विधि से किया जाए, इत्यादि बातों का विस्तृत विवरण इस ग्रंथ में दिया है । इस विषय का इससे गहन प्रतिपादन अन्य किसी ग्रंथ में मिलना दुर्लभ हैं । इसकी प्रस्तावना नागपुर के विख्यात अंग्रेजी समाचार पत्र हितवाद के संस्थापक श्री बनवारीलालजी पुरोहीत ने लिखी है ।

बारह महिनों के व्रत और त्यौहार :-
भारतीय संस्कृति में व्रत और त्यौहार की महिमा है । सब भारतीय व्यक्ति कोई न कोई व्रत और त्यौहार को मानते है परंतु व्यक्ति उन त्यौहारों के पीछे की भावना से जागृत नहीं है । यह ग्रंथ उन पर प्रकाश डालती हैं ।

गणगौर पूजा :-
गणगौर पूजा के विस्तृत विवेचन, गीत एवं अलग-अलग मांडणे सहित अद्वितीय ग्रंथ है ।

स्नान :-
भारत में विभिन्न नदियों तथा सरोवरों के स्नान का महत्व एवं विधि दर्शाने वाला अनुपम ग्रंथ है ।

पूजा :-
पूरे जगत में किसी भी धर्म का अनुयायी कोई न कोई पूजा अवश्य करता है । इसलिए पूजा का माहात्म्यम अवर्णणीय है । इस ग्रंथ में सब तरह की पूजा, जप, अनुष्ठान, पाठ, नित्यकर्म इत्यादि का सर्वांगीण विवरण है । इतना विस्तृत विवरण किसी अन्य ग्रंथ में नहीं है ।

तुलसी पूजा :-
तुलसी का पौधा केवल पौधा नहीं है बल्कि आराधना की देवी है । इसके महत्व, विविध पूजनों की विधि एवं अलग-अलग बीमारियों में तुलसी के औषधी रूप के गुणों का विस्तृत विवरण देने वाला ग्रंथ है ।

व्रत :-
कई व्यक्ति कोई विशिष्ट वार (जैसे मंगलवार, शनिवार) को व्रत रखते हैं। कोई किन्ही तिथियों पर व्रत रखते हैं । इन व्रतों का महात्म्यम एवं विधि का विस्तृत विवेचन इस ग्रंथ में है ।

अंत्यकर्म विधि :-
हिन्दु धर्म में षोडश संस्कार के अन्तर्गत अन्तिम संस्कार अन्त्येष्टि का है इस संस्कार संबंधित कार्यों पर प्रामाणिक ग्रंथ है ।

कन्यादान :-
विवाह एक मंगलमय अनुष्ठान संस्कार और यज्ञ है । कन्यादान महादान है । यही एक ऐसा दान है जो देनेवाले को विनम्र बनाता है । इस विषय का विस्तृत ग्रंथ है ।

जन्म :-
इस ग्रंथ में गर्भाधान से लेकर प्रसूता की और नवजात शिशु की देखरेख तथा खान पान व चौदह संस्कारों का विवरण है, मातृत्व की दहलीज पर खडी प्रत्येक स्त्री के लिये यह ग्रंथ उपयोगी होगा ।

यंत्र मंत्र तंत्र :-
जब मनुष्य को अपनी शारीरिक एवं मानसिक शक्तियों द्वारा किसी कार्य की सिध्दि में सफलता नहीं मिलती है तब वह अलौकिक शक्तियों का सहारा ढूंढता है । ऐसी शक्तियों को मंत्र द्वारा प्रसन्न किया जाता है ।

आरती संग्रह :-
सभी देवी देवताओं की आरतियों का संग्रह है ।

चौरासी कोस की ब्रज यात्रा :-
विस्तृत विवरण

दिव्य उपचार :-
Alternative Remedies की आवश्यकता आज सब महसूस करने लगे है । इस उद्देश्य से इस ग्रंथ में सहज घरेलू उपचार दर्शाये गये है ।

भजन रत्न :-
विभिन्न भजनों का संकलन

पाक माला :-
शुध्द भारतीय शाकाहारी व्यंजनों के आजमाये हुए नुस्खें इसमें सम्मिलित है । नमकीन, मिठाई, भोजन सामग्री के अलावा आचार, चटनी, मुरब्बे, मसालों का भी समावेश है ।

गीत माला की पुस्तकें :-
विभिन्न अवसरों के गीतों का संकलन

ग्रंथ प्राप्ति स्थल

भारतीय सांस्कृतिक प्रकाशन

"सूर्योदय" नेल्सन चौक, नागपुर - ४४००१३ फोन : ०७१२ - २५९४९५६

आर.एस. रेखचन्द मोहता मिल्स लि.

कमरा नं. १५, तीसरा मजला, गेट नं. २, देवकरण मेन्शन, ६३ प्रिंसेस स्ट्रिट, मुंबई - ४०० ००२ (इंडिया) फोन : २२०८१५५६, २२०८४७११

बांगड हाउस

श्रीमान एस. के. बांगड, १६, अलीपुर रोड, कोलकाता, फोन : ०३३ - २४७९६९२५

रचयिता

संस्कार विभूति सूर्यकान्ताजी

देश के विख्यात औद्योगिक बांगड परिवार में पूजनीय सूर्यकान्ताजी का जन्म राजस्थान में नागोर जिले के डिडवाना शहर में १५ सितंबर १९४२ को हुआ। वे स्वर्गीय श्रीमान रंगनाथजी बांगड की सुपुत्री हैं।

आपका विवाह प्रसिद्ध औद्योगिक मोहता परिवार में (हिंगनघाट, जिला वर्धा) स्वर्गीय मथुरादासजी मोहता के सुपुत्र श्रीमान रणछोड़दासजी मोहता के साथ हुआ।

सूर्यकान्तादेवी बचपन से धार्मिक अभिरूचि की धनी रही हैं। उन्होंने लगभग सभी गौरवपूर्ण धाम व तीर्थों की यात्रा की है। समयोचित दान, पूजा, स्नान, व्रत और त्यौहारों इ. क्रियाओं पर भी उनकी गहन आस्था है। इसके अलावा पुस्तकें पढ़ना और लेखनी की तरफ भी उनका झुकाव हमेशा से रहा है तथा उनका उपयोग वे उनसे उत्पन्न आस्थाओं के प्रचार में करना चाहती हैं। उन्होंने कई धार्मिक एवं तत्वज्ञान की पुस्तकों का भी अध्ययन किया है।

सफल गृहस्थाश्रम का धर्म निभाने के उपरांत आपने गत कुछ दशकों से अपना ध्यान भारतीय संस्कृति की ओर लगाकर इस अद्वितिय मार्ग पर अग्रसर होने का कठोर साहस किया है। किसी तरह की औपचारिक शिक्षा न होते हुए भी इस अद्‌भुत पराक्रम को दैविक शक्ति ही माना जायगा।

ग्रंथ तालिका

क्र.	धर्मसार	पृष्ठ संख्या	मूल्य ₹ :
१	तीर्थ	३८४	१००
२	तीर्थ यात्रा	४४०	१७५
३	दान - भाग १	४९०	१७५
४	दान - भाग २	१२५	९०
५	बारह महीनों के व्रत और त्यौहार	६१५	२५०
६	गणगौर पूजा	६२८	१००
७	स्नान	४४७	१००
८	पूजा	६३८	१७५
९	तुलसी पूजा	१६८	७५
१०	व्रत	३१६	१५०
११	अन्त्य कर्म विधि	५८८	१७५
१२	कन्यादान	५२८	१७५
१३	जन्म	४७४	१७५
१४	यंत्र - मंत्र - तंत्र	४८८	१७५
१५	आरती संग्रह	१८०	१००
१६	८४ कोस की व्रज यात्रा	२०५	१५०
१७	दिव्य उपचार - भाग १	४७६	१७५
१८	दिव्य उपचार - भाग २	४३१	१७५
१९	नित्य स्तुती - भाग १	३२	५
२०	नित्य स्तुती - भाग २		
२१	अर्चनावली	१४४	१२५
	पूर्ण सेट		१९००
	भजन माला		
१	भजन रत्न - भाग १	४६१	१७५
२	भजन रत्न - भाग २	१६८	१५०
३	भजन रत्न - भाग ३	३११	२००
४	भजन रत्न - भाग ४	३४३	१७५
५	भजन रत्न - भाग ५	११६	१५०
	गीत माला		
१	साध, जन्म, झडुला, जनेऊ और मौसिया के गीत	३३०	१५०
२	जँवाई के, सगों के और पारिवारिक गीत	२१२	१००
३	रातीजोगा, होम और मकान की प्रतिष्ठा के गीत	१४३	९०
४	बीरा के गीत	१०७	७५
५	विवाह के गीत	३२१	१५०
६	बन्ना बन्नी के गीत	३१५	१५०
	पूर्ण सेट		६००
	पाक माला		
१	पाक पल्लव - भाग १	४५७	३५०
२	पाक पल्लव - भाग २	५३४	३५०
३	पाक पल्लव - भाग ३	२६२	२५०
४	पाक पल्लव - भाग ४	१८८	२५०

(पैकिंग व डाक खर्च अलग)